ज्ञानदीप

अंक 102

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26130579, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फॅक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 26 अक्तूबर–दिसंबर 2023

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. हमारे नए महानिदेशक
2. श्री आर के यादव, महानिदेशक की विदाई
3. श्री एस के गर्ग, अपर महानिदेशक का स्वागत
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 158वीं बैठक
5. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार
6. राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह का आयोजन
7. एन.ए.बी.ई.टी. द्वारा 'उत्कृष्ट' ग्रेडिंग प्रमाणपत्र
8. इरिसेन दिवस समारोह
9. संस्थान में प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान
10. स्वागत एवं विदाई
11. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. हमारे नए महानिदेशक



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा 1986 बैच के अधिकारी, श्री सुनील कुमार झा ने दिनांक 30 नवंबर, 2023 को संस्थान के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया है। आप इरिसेन में आने से पहले महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण) के पद पर कार्यरत थे। आप पूर्वोत्तर सीमांत रेल के क्षेत्राधिकार अर्थात सिक्किम सहित सभी अष्टलक्ष्मी राज्यों के साथ पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ भाग के सभी रेल निर्माण गतिविधियों के समस्त प्रभारी रहे हैं। आपने इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वर्तमान में आईआईटी वाराणसी) से सिविल इंजीनियरिंग स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आपने कैरियर की शुरूआत सहा.मं.इंजी. कल्याण, मध्य रेल के पद से की। आगे अन्य पदों पर कार्य करते हुए आपने वरि.मं.इंजी. (समन्वय) हावड़ा मंडल, मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजी. पूर्व रेल, मु.इंजी. (नि.) पूर्व रेल, कोलकाता, मं.रे.प्र. वाराणसी, मु.प्रशा.अधि. (नि.) और वरिष्ठ उप महाप्र. उत्तर रेल नई दिल्ली, मु.प्रशा.अधि. (नि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेल बिलासपुर इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

वरि.मं.इंजी.(सम.) हावड़ा के पद पर कार्य के दौरान आपके नेतृत्व में पहले वर्ष के दौरान ही एक दशक से अधिक समय के पश्चात ''ओवरऑल इंजीनियरिंग शील्ड'' हासिल की गई और दूसरे वर्ष के दौरान छह में से चार ''इंजीनियरिंग शील्ड'' जीती गई। आपके मार्गदर्शन में हावड़ा रेल संग्रहालय का कार्य आठ माह की रिकार्ड अवधि में पूरा किया गया। मुख्य इंजीनियर (नि.) कोलकाता पूर्व रेल के रूप में कार्य के दौरान ऊंचे भराव और गहरे कटाव वाले नक्सली क्षेत्र से होकर गुजरने वाली मंदार हिल–दुमका–रामपुरहाट की नई लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। उत्तर–पूर्व रेल में मं.रे.प्र. के रूप में कार्य करते हुए प्रयागराज के कुम्भ मेले के दौरान आपके द्वारा विभिन्न कार्यों को सम्पन्न करवाया गया। साथ ही महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियां, यथा मडुवाडीह के द्वितीय प्रवेश क्षेत्र का विश्वस्तरीय कार्य, लगभग 50 LHS आदि कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन किया । मु. प्रशा.अधि.(नि.) उत्तर रेल की सेवा अवधि के दौरान भारी संख्या में संरचनात्मक कार्य पूरे किए गए। आपने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और हाई डेन्सिटी नेटवर्क परियोजनाओं के कार्य को तीव्रता प्रदान की। बिलासपुर–मनाली–लेह के अत्यंत महत्वपूर्ण और कठिन सर्वेक्षण कार्य को आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सफलतापूर्वक पूरा करवाया। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

2. श्री आर. के. यादव, महानिदेशक की विदाई



दि. 30 नवंबर, 2023 को संस्थान के महानिदेशक श्री आर. के. यादव का स्थानांतरण महाप्रबंधक, मध्य रेल, मुंबई के पद पर हुआ है। आपके नेतृत्व में इरिसेन द्वारा नवीन ''इंडियन रेलवे कन्स्ट्रक्शन मैनुअल'' बनाने का कार्य किया गया और आईपीडब्ल्यूई (आई) सेमिनार का पुणे में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। संस्थान आपके सुखद एवं उज्वल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक
सुनील कुमार झा
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल – 1

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

3. श्री एस के गर्ग, अपर महानिदेशक का स्वागत



1987 बैच भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी श्री एस. के. गर्ग ने दिनांक 16 अक्तूबर, 2023 से अपर महानिदेशक (एसएसटीडब्ल्यू) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) दक्षिण, पूर्व मध्य रेल पटना के पद पर कार्यरत थे। आपने रूड़की विश्वविद्यालय से बी.ई.(सिविल) एवं आईआईटी दिल्ली से एम.टेक. (रॉक मैकेनिक्स) की उपाधि प्राप्त की है।

अपने सेवाकाल में आपने विभिन्न पदों पर कार्य किया, जैसे सहा. इंजी. वर्धा नागपुर मंडल, मं.इंजी.(उत्तर) सोलापुर मंडल, उप मुख्य इंजी. (योजना) ओपन लाइन मुंबई उप मुख्य इंजी.(नि.) जुईनगर, उप मुख्य इंजी. (नि.) पनवेल, व.मं.इंजी.(स.) मध्य रेल मुंबई मंडल, मुख्य परियोजना प्रबंधक अहमदाबाद, मुख्य परियोजना निदेशक (पुल कार्य) पश्चिम रेल आदि तथा पूर्व में आप इरिसेन में वरिष्ठ प्राध्यापक (कार्य) के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मुख्य परियोजना प्रबंधक (नि.) अहमदाबाद के पद पर कार्य के दौरान आपने अनेक कार्य किए इनमें मुख्य परियोजना प्रबंधक कार्यालय का प्लानिंग एवं निर्माण, अहमदाबाद–हिम्मतनगर ब्रॉड गेज लाइन का निर्माण आदि महत्वपूर्ण कार्य है। मु.प्रशा.अधि.(नि.) पूर्व मध्य रेल के पद पर कार्य के दौरान आपने बरकाकाना–रांची घाट सेक्शन, टोरी–शिवपूर तीसरी रेल लाइन निर्माण व बंधुआ–पैमार आर.ओ.आर. के कार्य पूरे किए। करेला–शक्तिनगर और रमना–सिंगरौली रेलमार्ग दोहरीकरण कार्य के कई खण्डों के काम को पूरा किया। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 158वीं बैठक

संस्थान में 26 दिसंबर, 2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 158 वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अध्यक्ष श्री एस के झा, महानिदेशक ने संबोधन में कहा कि संस्थान द्वारा तकनीकी विषय की पुस्तकों का हिंदी प्रकाशन संस्थान में हिंदी के प्रति रूचि को दर्शाता है, यह एक प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी राष्ट्रीय, सांस्कृतिक एकता और सर्वसमावेशी भाषा है। तकनीकी के इस युग में हिंदी ने भी अपने परंपरागत स्वरूप को समय के अनुरूप ढाल लिया है। संस्थान पर राजभाषा हिंदी की प्रगति गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दर्शाए गए लक्ष्यों से बढ़कर है, परंतु और संभावनाएं तलाशी जा सकती है।



उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री शरद कुमार अग्रवाल ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा संबोधन में कहा कि संस्थान पर राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक उपयोग किया जा रहा है। साथ ही संस्थान के सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे राजभाषा के प्रयोग– प्रसार हेतु अपने दैनिक कार्य हिंदी में करें ताकि हम अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकें।

5. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार

दिनांक 24 एवं 25 नवंबर, 2023 को ''रोलिंग ब्लॉक–पैराडाइम शिफ्ट एन इन्सपेक्शन एण्ड मेंटेनेन्स ऑफ रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर'' और ''यूज ऑफ मॉडर्न टेक्नॉलॉजी एण्ड इनोवेटिव टेक्निक्स इन क्रिएशन एण्ड अपग्रेडेशन ऑफ रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर'' आदि विषयों पर पुणे में आयोजित आईपीडब्ल्यूई (आई) सेमिनार का आयोजन किया गया । इरिसेन ने सह आयोजक की भूमिका सफलतापूर्वक निभाई। संस्थान द्वारा प्रकाशित तकनीकी पुस्तकों को प्रदर्शित करने के लिए इरिसेन द्वारा स्टॉल लगाया गया। इस अवसर पर श्री आर के यादव तत्कालीन महानिदेशक/इरिसेन ने सेमिनार में अपना संबोधन दिया। इसके अतिरिक्त इरिसेन के संकाय सदस्यों में श्री सत्यप्रकाश अपर महानिदेशक एवं श्री एस. के. अग्रवाल प्राध्यापक पुल – 1 द्वारा ''चैलेंजेस इन कंटिन्यूएशन ऑफ एलडब्ल्यूआर ब्रिजेस एण्ड देअर पॉसिबल सोल्यूशन्स'', श्री सत्यप्रकाश अपर महानिदेशक, श्री सब्यसाची रॉय वरिष्ठ अनुदेशक / रेलपथ एवं श्री भोज राठोड, वरिष्ठ अनुदेशक रेलपथ द्वारा ''रेजिंग स्पीड इन मिक्स्ड ट्राफिक रेजिम फॉर सेमी हाई स्पीड ट्रेन्स'' और श्री मो. तनवीर खान संयुक्त निदेशक गति शक्ति / सिविल–V रेलवे बोर्ड नई दिल्ली द्वारा पेपर प्रस्तुत किया गया तथा श्री रेहान सिद्दिकी सहा. प्राध्यापक सिविल इंजी.विभाग एएमयू अलीगढ़, श्री अनिल कालरा वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ I इरिसेन, श्री धनंजय सिंह कार्यकारी निदेशक गति शक्ति / सिविल–II रेलवे बोर्ड नई दिल्ली द्वारा ''इक्सपेरिमेंटल एण्ड न्यूमरिकल एनालिसिस ऑफ रेनफॉल–इंड्यूस्ड स्लोप फेल्यूअर ऑफ रेलवे इम्बैंकमेंट'' पर पेपर प्रकाशित किए गए।



इस अवसर श्री आर. एन. सुनकर, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड द्वारा अपर महानिदेशक/ इरिसेन श्री सत्यप्रकाश एवं प्राध्यापक – पुल, श्री शरद कुमार अग्रवाल को पिछले सेमिनार में प्रस्तुत पेपरों में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर के सी सूद स्मृति पुरस्कार एवं प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया।

6. राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार भारतीय रेलों पर सायबर सुरक्षा जागरूकता के लिए ''राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह'' आयोजित किया गया। इस विषय पर संस्थान में दिनांक 30 अक्तूबर, 2023 को वरि.अनुदेशक (कंप्यू.) श्री ए. ए. निजामी द्वारा सायबर सुरक्षा दिशा–निर्देशों के अनुसार दैनिक जीवन में सुरक्षित सायबर अभ्यास, सरकारी कर्मचारियों को ''क्या करें एवं क्या न करें'' तथा ''ऑन लाइन सुविधाओं का उपयोग करते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए'' विषय पर व्याख्यान दिया गया, इसमें इरिसेन के अधिकारी, कर्मचारी और प्रशिक्षु अधिकारियों ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्शायी।

7. एन.ए.बी.ई.टी. द्वारा 'उत्कृष्ट' ग्रेडिंग प्रमाणपत्र

इरिसेन ने क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) द्वारा विकसित मान्यता ढांचा – सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक (एन.एस.सी. एस. टी.आई.) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त करने हेतु, सीबीसी की वेबसाइट पर आवेदन किया। भारतीय गुणवत्ता परिषद के घटक बोर्ड, नेशनल अक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर एजुकेशन एवं ट्रेनिंग (एन.ए.बी.ई.टी.) ने इरिसेन, पुणे को दि. 28 एवं 29 दिसंबर, 2023 को मूल्यांकन किया और संस्थान को 'उत्कृष्ट' ग्रेडिंग का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।



8. इरिसेन दिवस समारोह

दिनांक 14 एवं 15 नवंबर, 2023 को इरिसेन दिवस हर्षोल्हास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री आर. एन. सुनकर, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर रेलवे बोर्ड, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री सुनकर, श्री आर.के.यादव, महाप्रबंधक मध्य रेल एवं श्री एस. के. झा, महानिदेशक इरिसेन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस अवसर पर गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। श्री राजेश कुमार शेखावत, वरिष्ठ प्राध्यापक, परियोजना ने कार्यक्रम का संचालन किया।



श्री एस. के. झा, महानिदेशक इरिसेन ने उपस्थित गणमान्यों का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। भा.रे.इंजी.सेवा 1997 बैच के अधिकारियों की 25 वर्ष की सफल रेल सेवा की सराहना करते हुए बधाइयां दी एवं आई.आर.एस.ई. बैच 2019 और समेकित पाठ्यक्रमों उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कृत अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दी।



श्री आर एन सुनकर, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 1997 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सफल रेल सेवा के लिए बधाई दी। संस्थान की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान के बारे में कहा कि संस्थान में प्रशिक्षण पाने के उनके अनुभव अविस्मरणीय हैं तथा यहां आकर वे गर्व महसूस करते हैं। आपने आगे कहा कि देश के विकास के लिए आवंटित कुल बजट में से 25% बजट रेल के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किया गया है जो अब तक का सर्वाधिक बजट है, इसलिए प्रत्येक रेलवे इंजीनियर की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। रेल के विकास में सिविल इंजीनियरों की भूमिका सदैव अहम रही है। हमारी व्यावसायिक सत्यनिष्ठा अत्यंत महत्वपूर्ण है और हमें राष्ट्र एवं रेल के विकास के लिए सर्वोच्च समर्पण भाव से कार्य करना होगा।

इस अवसर पर इरिसेन द्वारा प्रकाशित ''लॉन्ग वेल्डेड रेल'', ''फंडामेंटलस् ऑफ बिल्डिंग ओरिएनटेशन एण्ड ग्रीन बिल्डिंग फीचर्स'', ''द इन्वेस्टिगेशन ऑफ डिरेलमेंटस्, मोनोग्राफ ऑन ट्रेन-18 (वंदे भारत)'', ''मोनोग्राफ ऑन डब्ल्यूएपी 7 / डब्ल्यूएजी 9 लोकोमोटिवज् (को-को फ्लेक्सी-कॉइल फैब्रिकेटेड बोगी'' और ''रिव्हर ट्रेनिंग एण्ड प्रोटेक्शन वर्कस् फॉर रेलवे ब्रिजेस'' आदि विषयों पर प्रकाशित पुस्तकों सहित इरिसेन जर्नल का भी विमोचन किया गया।



समारोह के प्रथम सत्र में ''रेल अवसंरचना परियोजनाओं के निष्पादन में चुनौतियां'', ''रेल अवसंरचना परियोजनाओं में ईपीसी ठेकें'' और ''हाई स्पीड / हाई एक्सल लोड रेलपथ निर्माण'' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय रेलवे में रेलगाड़ी चलाने में समय की बचत और मालगाड़ियों की वहन क्षमता बढ़ाने के वर्तमान परिदृश्य में उपरोक्त विषय प्रासंगिक हैं। सेमिनार में उपरोक्त विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और बहुमूल्य अनुशंसाएं प्रस्तुत की गई। इस सेमिनार का सूत्र संचालन श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक, पुल 1 ने किया।



समारोह के दौरान 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले वर्ष 1997 बैच के भा.रे.सि.इंजी.सेवा के अधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा पिछले वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को भी पदक एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

9. प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान

हर वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस पर भा.रे.इंजी.सेवा के परिवीक्षार्थी अधिकारी एवं समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निम्न पदक एवं नकद पुरस्कार सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड के कर-कमलों द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

इरिसेन स्वर्ण पदक एवं ₹ 5000 नकद पुरस्कार – यह स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भा.रे.इंजी.सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

इरिसेन रजत पदक एवं ₹ 4000 नकद पुरस्कार – संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भा.रे.इंजी.सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

इरिसेन कांस्य पदक एवं ₹ 3000 नकद पुरस्कार – संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भा.रे.इंजी.सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

IPWE (I) **स्वर्ण पदक एवं रजत पदक –** समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को प्रदान किया जाता है। यह पदक IPWE (I) इरिसेन पुणे द्वारा स्थापित किया गया है।

66वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2019 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों एवं विभिन्न समेकित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के दौरान प्रथम / द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को श्री आर एन सुनकर, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड ने निम्नानुसार पदक प्रदान किए।

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2019

श्री प्रमीत देबमलिक, सहा.मंडल इंजी./ दुर्गापुर / पूर्व रेल को इरिसेन स्वर्ण पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 5000



श्री अबुझर गफ्फारी, सहा.मंडल इंजी./गोधरा/ पश्चिम रेल को इरिसेन रजत पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 4000



श्री अभिषेक सिंह तोमर, सहा.मं.इंजी./चुनार/ उत्तर मध्य रेल को इरिसेन कांस्य पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 3000



सत्र संख्या 22103 के श्री कुमार हरीश, AXEN/Plg./Hajipur/ECR को स्वर्ण पदक एवं श्री कर्मवीर यादव, AXEN/C/Meerut Cantt/NR को रजत पदक

सत्र संख्या 23101 के श्री संजय कुमार मिश्रा, AXEN/Insp-2/HQ/NR को स्वर्ण पदक एवं श्री अनुज कुमार, ADEN-I/Amritsar/NR को रजत पदक

सत्र संख्या 23102 के श्री के. रवि, AXEN/ICF Chennai को स्वर्ण पदक एवं श्री गणेश सिंह, ADEN/Banihal/NR को रजत पदक

सत्र संख्या 23103 के श्री विकास चंद्र दत्ता, ADEN/Bapudham Motihari/ECR को स्वर्ण पदक एवं श्री राजेश नीलम, AIE/Gwalior/ NCR को रजत पदक

सत्र संख्या 23104 के श्री एस. कार्तिक बालाजी, ADEN/N/ Tiruchirappalli/SR को स्वर्ण पदक एवं श्री सुनील कुमार पांडेय, ADEN/ West/Mau/NER को रजत पदक

10. स्वागत एवं विदाई



1995 बैच के भा.रे.इंजी.सेवा के अधिकारी **श्री अनिल कुमार खरे** ने दि. 26.10.2023 में संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-3 का पदभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने के पूर्व आप वरिष्ठ प्राध्यापक (सि. इंजी.), भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा में कार्यरत थे। आपने वर्ष 1991 में बी.ई. (सिविल) एवं वर्ष 1994 में एम.ई. (निर्माण, तकनीकी एवं प्रबंधन) की डिग्री माधव इंस्टिट्युट ऑफ टेक्नोलोजी एंड साइंस, ग्वालियर से प्राप्त की।

आपने रेल सेवा की शुरुआत सहायक मंडल इंजीनियर, मनेंद्रगढ़/ दक्षिण पूर्व रेलवे से की, तत्पश्चात रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने मंडल इंजीनियर, बिलासपुर एवं उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण एवं योजना/ बिलासपुर, उप मुख्य इंजीनियर/ सामान्य/ बिलासपुर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, रायपुर, उप मुख्य इंजीनियर/रेलपथ/ जबलपुर, प्रधान मुख्य इंजीनियर/ जबलपुर के सचिव एवं मुख्य इंजीनियर/ सामान्य / जबलपुर इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री रविंद्र कुमार रैना, मंरेप्र पुणे के निजी सचिव1 ने दिनांक 08 दिसंबर, 2023 को इरिसेन में महानिदेशक के निजी सचिव (राजपत्रित) 1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मंडल रेल प्रबंधक, पुणे के निजी सचिव-1 के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



कु. श्रद्धा पी तांबे, एलपीएस, मध्य रेल, पुणे ने दिनांक 10 अक्तूबर, 2023 को इरिसेन में कनिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप एलपीएस, मध्य रेल, पुणे मंडल में कार्यरत थीं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री गणेश वी शेट्टी, कार्यालय अधीक्षक (का.) मध्य रेल, पुणे मंडल ने दि. 14 दिसंबर, 2023 को इरिसेन में प्रोटोकॉल निरीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप कार्यालय अधीक्षक, मंरेप्र कार्यालय, कार्मिक विभाग, पुणे मंडल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री मुकेश चंद कुम्हार, तकनीशियन (यां.) डीजल लोको शेड़, पुणे मंडल ने दिनांक 28 दिसंबर, 2023 को इरिसेन में छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-II/एसएसटीडब्ल्यू के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप तकनीशियन (यां.), डीजल लोको शेड़, पुणे मंडल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री अनिल कुमार,** वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-2 का स्थानांतरण मुख्य इंजीनियर, पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के पद पर हुआ है। आप दिनांक 17 नवंबर, 2023 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्वल भविष्य की कामना करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री अविनाश कुमार,** प्राध्यापक पुल-2 की स्वेच्छा सेवानिवृत्ति दिनांक 31 अक्तूबर, 2023 को हुई। संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री एल एन निर्मलकर,** सहायक प्राध्यापक रेलपथ -3 की सेवानिवृत्ति दिनांक 30 नवंबर, 2023 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री सब्यासाची रॉय,** वरिष्ठ अनुदेशक रेलपथ 10 की पदोन्नति सहायक इंजीनियर / सीएसपी / एसआईएन उत्तर पश्चिम रेल के पद पर हुई है। आप दिनांक 26 दिसंबर, 2023 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। इरिसेन परिवार की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं।

11. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 23104

प्रथम



कार्तिक बालाजी संकराकुमार, स.मं.इंजी.(उ) / तिरुचिरापल्ली दक्षिण रेल

द्वितीय



एस.के.पांडेय, स.मं.इंजी. (पश्चिम)/मऊ उत्तर पूर्व रेल

तृतीय



रामानुज कुमार, स.कार्य.इंजी/टीएस-II/मुख्या. बिलासपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेल

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-I द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।